


18.2.19

प्रार्थी एवं अप्रार्थी (केवियेटर) के अधिवक्ता उपस्थित उपस्थित अधिवक्ताओं की स्थगन प्रार्थना पत्र पर बहस सुनी गयी। पत्रावली वास्ते आदेश हेतु दिनांक 19.2.2019 को पेश हो।

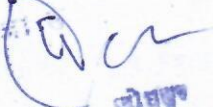
  
डिविजनल कमिश्नर  
जोधपुर

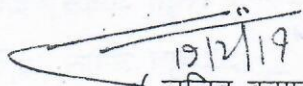
19.2.19

प्रार्थी के अधिवक्ता ने स्थगन प्रार्थना पत्र में उल्लेखित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया कि प्रथम दृष्टया प्रकरण में सुविधा का सन्तुलन प्रार्थी के पक्ष में है यदि अपीलधीन आदेश की पालना नहीं रोकी गई तो अपीलान्त के हिस्से की भूमि में तरमीम कर दी जायेगी, जिससे पक्षकारों में विविध बढ़ेगा एवं अपीलान्त को अपूर्णनीय हानि होगी। अतः अपीलधीन आदेश दिनांक 5.2.2019 की पालना व प्रभाव को स्थगित करने को आदेश प्रदान करावें।



हमने प्रार्थी द्वारा प्रकट तथ्यों पर मनन किया तथा प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया। प्रकट तथ्यों को मध्यनजर रखते हुए तहसीलदार, बावडी को निर्देशित किया जाता है कि वे अपीलान्त की राजस्व रेकॉर्ड में दर्ज भूमि को प्रभावित नहीं करते हुए सीमांकन व पत्थरगढी की कार्यवाही सुनिश्चित करें। स्थगन प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टार हो कर, निर्णित होकर नम्बर से कम हो।


  
डिविजनल कमिश्नर, जोधपुर

  
19/2/19  
(ललित कुमार गुप्ता)  
डिविजनल कमिश्नर,  
जोधपुर

क्रमांक: कोह/DC/19/203

रक्षी यतिमती (1) तहसीलदार - बावडी को पालना एवं सुनिश्चित हो

दिनांक 20-2-19

आज्ञा से  
  
रीडर  
डिविजनल कमिश्नर  
जोधपुर